HINDI COURSE B -085

Space for writing Question Number

खण्ड-क

1.

(i) (D) प्लास्टिक के प्रयोग का धीरे-धीरे बंद करने की शुरुआत

(ii) (B) समस्त प्लास्टिक कचरे को पुनः उपयोग योग्य बनाया जा सकता है।

(iii) (A) प्लास्टिक कचरा

(iv) प्लास्टिक के अत्यधिक प्रयोग ने 'एक बार उपयोग होने वाली उपभोक्ता संस्कृति' को जन्म दिया है। साथ एक ऐसी पीढ़ी को भी जन्म दिया है जो 'इस्तेमाल करो और फेंको' में विश्वास रखती है। इसी के दुष्परिणाम स्वरूप मनुष्य, पशु-पक्षियों तथा प्रकृति को हानि पहुँचा रहा है तथा जल जमाव जैसी समस्या भी उत्पन्न हो रही हैं।

(v) प्लास्टिक प्रदूषण पर रोकथाम के लिए आम आदमी की भूमिका महत्वपूर्ण है। लोगों को ही इसका समाधान निकालना होगा अथवा नए विकल्पों का चयन करना होगा। प्लास्टिक पुनर्चक्रण पर ध्यान देना होगा तथा प्लास्टिक उत्पादक उद्यमों को नवीन विकल्प तलाशने होंगे। यदि सभी को अपने कर्त्तव्य का बोध हो गया तो स्थिति में भी अवश्य ही सुधार होगा।

2. (i) (A) देश की आम जनता के आवागमन के लिए उपलब्ध यातायात के साधन

(ii) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) (D) आर्थिक समानता को बढ़ावा देती है।

(iv) साइकिल स्वच्छ पर्यावरण के लिए अनुकूल माध्यम है क्योंकि यह प्रदूषण को कम करता है। साथ ही इसे सतत उपभोग व उत्पादन को बढ़ावा देने वाला तथा जलवायु परिवर्तन में सकारात्मक भूमिका निभाने वाला साधन भी कहा जा सकता है क्योंकि इसके प्रयोग से सालाना 150 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा। अतः यह पर्यावरण संरक्षण हेतु एक अच्छा विकल्प है।

(v) साइकिल के सस्ता, सुलभ और लाभकारी साधन होते हुए भी लोग इसके प्रयोग को प्राथमिकता नहीं देते क्योंकि सभी आधुनिकता की दौड़ में हैं तथा नई व महँगे निजी वाहनों में आवागमन पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त सभी लोग अतिशीघ्र और बिना श्रम किए काम करना चाहते हैं, अतः अच्छे स्वास्थ्य हेतु साइकिल चलाना भी नापसंद करते हैं।

Space for writing Question Number

खण्ड - ख

(3) (i) पतली - पतली, नरम - नरम रोटियाँ → संज्ञा पदबंध

(ii) → क्रिया पदबंध मुख्य रूप से वाक्य के अंत में पाया जाता है।

→ एक से अधिक परस्पर संबंध रखने वाले शब्द एक व्याकरणिक ईकाई का बोध कराते हुए क्रिया का काम करते हैं।

उसे इस दयनीय हाल में देखकर सभी आश्चर्यचकित हो गए।

इस वाक्य में 'आश्चर्यचकित हो गए' क्रिया पदबंध है।

(iii) कठोर परिश्रम करने वाले तुम ⇒ सर्वनाम पदबंध

(iv) रुई की पतली ⇒ विशेषण पदबंध

(v) धीमे-धीमे स्वर में ⇒ क्रियाविशेषण पदबंध

यह पदबंध वाक्य में क्रिया के होने की विशेषता (रीति) बता रहा है, अतः यह क्रियाविशेषण पदबंध है। 0.4

(4)

(i) आकाश में एक भी बादल न होने पर भी पानी बरस रहा है।

(iii) चूँकि ठंड है, इसलिए उसकी अँगुलियाँ नहीं चल रही हैं।

(iv) गौरेया बंदरगाह की ओर गई और जहाज पर बैठ गई।

(v) सरल वाक्य

5.

(i) बहुव्रीहि समास में पूर्व पद तथा उत्तर पद दोनों गौण होते हैं तथा समस्त पद किसी तीसरे की ओर संकेत करता है।
यह अन्य पद ही प्रधान होता है।

चंद्रशेखर - चंद्र है शेखर पर जिसके अर्थात् शिव
लंबोदर - लंबा है उदर जिसका अर्थात् गणेश

इन दोनों उदाहरणों में समस्तपद किसी तीसरे पद की ओर संकेत कर रहा है।

(ii) महासंग्राम ⇒ कर्मधारय समास

(iii) बाकायदा ⇒ कायदे के अनुसार (अव्ययीभाव समास)

(iv) नीलगगन ⇒ नीला है जो गगन

इस समस्तपद में पूर्व पद विशेषण है अथवा उत्तर पद विशेषय है, इसलिए यह कर्मधारय समास का उदाहरण है।

(v) पंचवटी ⇒ पाँच (पंच) वटों (वृक्षों) का समूह
⇒ द्विगु समास

6. (i) घाट-घाट का पानी

(ii) (1) नौकरी से निलंबित होने तथा आर्थिक तंगी का शिकार होने के कारण, मनीष अपना एक-एक कदम फूँक-फूँक कर रख रहा है।

(ii) हिरण को पकड़ने हेतु शिकारी फूँक-फूँककर कदम रख रहा है।

(iii) सर पर नंगी तलवार लटके रहना

(iv) ख्याली पुलाव पकाना

(v) आँख फाड़ कर देखना ⇒ आश्चर्यचकित हो जाना

आँखें ठंडी होना ⇒ शांत हो जाना

10

Space for writing Question Number

खण्ड - ग

(7)

(i) हरिहर काका एक भोले-भाले और सीधे-सादे कृषि जीवन के सहारे जीने वाले बुजुर्ग थे जो अपने भाइयों के परिवार के साथ रहते थे। वे उनके परिवार को ही अपना परिवार समझने लगे थे तथा महंत जैसे दुराचारियों के बहकावे में भी आसानी से आ जाते थे। किंतु उनके साथ घटी घटनाओं, हुआ बुरा बर्ताव, मार-पीट, अपहरण तथा ज़ोर-ज़बरदस्ती जिसमें महंत के अतिरिक्त उनके अपने भाइयों का भी हाथ था, काका की आँखों से परदा हटा दिया। उन्हें ज्ञात हो चुका था कि रिश्ते-नाते सब ढोंग है तथा केवल ज़मीन-ज़ायदाद के कारण ही है। उन्हें यह भी समझ आ गया था कि जीते हुए अपनी संपत्ति का स्वामी किसी दूसरे को बना जीवन नरक से भी बदतर हो जाता है। अतः भाइयों व महंत के

द्वारा की गई हिंसा ने भी उन्हें दबा पाई और वे मृत्यु को अर्जित करने हेतु भी तत्पर हो गए। अंततः यह कहा जा सकता है कि हरिहर काका अब बहुत चतुर व ज्ञानी हो चुके थे।

(ii) टोपी को इफ़्फन तथा इफ़्फन की यादों से अत्यधिक प्रेम था और धीरे-धीरे उनकी भाषा उसके दिल में उतरने लगी। एक दिन जब सभी मेज़ पर खाना खा रहे थे तो उसने अचानक 'अम्मी' शब्द का प्रयोग कर दिया। इससे प्रतिक्रिया यह हुई की मेज़ पर जितने हाथ थे, सब रुक गए तथा परंपरा की दीवार डोलने लगी। माँ ने टोपी की जमकर धुलाई की तथा दादी ने उस पर कटाक्ष कसा और उसकी अत्यधिक उपेक्षा भी की। यह

सब उनकी संकुचित मानसिकता का द्योतक है तथा उनका द्वारा किया गया व्यवहार अत्यधिक घृणा योग्य तथा अतार्किक है। मेरे विचार से किसी धर्म को भाषा से जोड़ना गलत है तथा मनुष्य को सभी धर्म-पंतों का समान भाव से आदर-सम्मान करना चाहिए। कट्टरता तथा संकीर्ण सोच जाति-संप्रदाय, धर्म का अलगाव बढ़ाती है। अतः माँ व दादी को टोपी की नई भाषा तथा सीख को सहज रूप से अपनाकर स्वीकृति देनी चाहिए थी।

(8) (i) (c) वज़ीर अली की गिरफ़्तारी के लिए
(ii) (A) उसे अपनी वीरता व बहादुरी पर दृढ़ विश्वास था।
(iii) (c) उसकी दिलेरी व बहादुरी के कारण
(iv) ~~(c) बुद्धि-बल का प्रयोग करके~~ (c)
~~(A) सवार का रूप धारक करके~~
(v) (A) साहस

Space for writing Question Number

(9) (i) 'बड़े भाई साहब' पाठ में मोह तथा माया के बंधन में जकड़े व्यक्ति का दृष्टांत लेखक की मनोदशा को दर्शाने के उद्देश्य से दिया गया है। लेखक बड़े भाई की डाँट-डपट खाकर तथा उपदेश-माला सुनकर भी खेल-कूद के प्रति अपने प्रेम का त्याग नहीं कर सकते थे। वे फटकार सुनते, दुःखी होती परंतु बाहर जाकर खेलना नहीं छोड़ते। यह उसी प्रकार है जैसे मनुष्य विपत्ति के समय में भी मोह-माया में जकड़ा रहता है।

(ii) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ में 26 जनवरी, 1931 के दिन पूरे कलकत्ता में उत्साह व नवीनता दिखाई दे रही थी क्योंकि उस वर्ष भारत के स्वतंत्रता दिवस की पुनरावृत्ति थी। लोगों ने घर-दुकान तथा प्रत्येक मार्ग पर ऐसी श्रेयस्कर सजावट कर रखी थी मानो स्वतंत्रता मिल ही गई हो। शहरवासियों का जोश व उमंग

देखते ही बनता था। सभी स्वयंसेवकों ने आज़ादी के लिए बढ़-चढ़कर सभाओं तथा जुलूसों में भाग लिया। महिलाओं का भी योगदान काफ़ी था। अतः कलकत्ता में उत्साह व नवीनता देखते ही बनती थी।

(iv) यह कथन सत्य है कि "व्यथा आदमी को पराजित ही नहीं करती, उसे आगे बढ़ने का संदेश भी देती है।" अभाव का जीवन तथा कष्ट-पीड़ा मनुष्यों को अंदर तक झकझोर देने की क्षमता के साथ ही उसकी आंतरिक चेतना में ऐसी शक्ति भी भर देती है कि वह आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हो जाता है। यह प्रेरणा विचित्र होती है तथा आदमी को स्वयं के जीवन में नई मंजिलों तक पहुँचने का साहस व हिम्मत भी देती है।

Space for writing Question Number

10.

(i) (C) अपने दुःखों को हरने की

(ii) (B) प्रहलाद की रक्षा हेतु

(iii) (A) श्रीकृष्ण की भक्तवत्सलता को दर्शाने हेतु

(iv) ~~(B) सख्य भाव की~~ (A) दास्य भाव की

(v) (C) कथन तथा कारण दोनों सही, कथन की सही व्याख्या करता है।

11.

(i) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि 'सुमित्रानंदन पंत' ने पर्वतीय क्षेत्र में वर्षा ऋतु में होते परिवर्तन का सुंदर वर्णन करते हुए मानवीकरण अलंकार का विचित्र व अद्भुत उपयोग किया है। कवि ने पहाड़ों पर खिले हज़ारों फूलों को पर्वत की आँखे कहा है तथा नीचे फैले तालाब को दर्पण बना दिया है। इसके अतिरिक्त कवि ने पहाड़ों पर बादल घा जाने की क्रिया को पक्षी के उड़ने के साथ समानता दिखाई ~~अथा~~ तथा वृक्षों को उच्चाकांक्षाकों की उपाधि दी है।

(ii) 'आत्मत्राण' कविता में कवि रविंद्रनाथ ठाकुर ईश्वर से सहायता के बदले शक्ति का वरदान चाहते हैं क्योंकि उन्हें मानव की असीम शक्तियों पर विश्वास है। इसे 'मानववाद' कहते हैं। इससे कवि के आत्मविश्वासी तथा संघर्षशील होना का पता चलता है। वे अपनी ~~समस्यों~~ समस्याओं का हल किसी पर निर्भर न होकर स्वयं ही करना चाहते हैं, अतः वे स्वाभाव से आत्मनिर्भर भी हैं।

(iv) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में शायर कैफ़ी आज़मी ने सैनिक जीवन की कठिनाइयों का प्रेरणादायक उल्लेख किया है। वीर सैनिक अत्यंत व असहनीय ठंड में भी देश की रक्षा हेतु सीना तानकर खड़े रहते है। ऐसे में उनकी साँसें भी रुकने लगती हैं व नसें भी जमने लगती हैं किंतु उनके अंदर की जोश रूपी अग्नि प्रज्वलित रहती है तथा वे सर पर कफ़न बाँधकर बलिदान देने के लिए तत्पर रहते हैं।

Space for writing Question Number

(12.) (i)

परीक्षा भवन
नई दिल्ली

2 मार्च, 2026

नगर-निगमाध्यक्ष
नगर-निगम
नई दिल्ली

विषय : खेल मैदानों का दुर्पयोग

महोदय जी,
मैं हमारे शहर के सुंदर नगर की निवासी हूँ और इस पत्र द्वारा आपका ध्यान हमारे क्षेत्रीय खेल मैदानों के किए जाने वाले दुर्पयोग की ओर आकृष्ट करना चाहूँगी।

हमारे क्षेत्र में एक बहुत बड़ा खेल का मैदान है जहाँ नौज़वान खेल-अभ्यास हेतु आते हैं तथा बुजुर्ग भी सैर के लिए आते हैं। बच्चों के लिए भी यह खेल का प्रमुख स्थान है। किंतु गत तीन महीनों से इस मैदान में सार्वजनिक समारोह आयोजित किए जाते हैं जिसके कारण लोगों को विहार में बहुत परेशानी होती है। इसके अतिरिक्त ~~##~~ वहाँ गंदगी फैला कर चले जाते हैं और तत्काल सफ़ाई भी नहीं होती। हमारे क्षेत्र के दूसरे मैदानों का भी यही हाल है।

अतः मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि ऐसे सार्वजनिक स्थल पर समारोह आयोजन करने हेतु कड़े नियम बनाए जाए ~~अथ~~ तथा आयोजकों के खिलाफ़ कार्रवाई भी की जाए। मुझे आशा है कि आप यथाशीघ्र उचित कदम उठाएँगे।

सधन्यवाद

भवदीय

दीपिका

(सुंदर नगर निवासी)

Space for writing
Question Number

(13)(i)

अ॰ ब॰ स॰ स्कूल, दिल्ली

आवश्यक सूचना

2 मार्च, 2026

(निजी वाहन खड़े करने हेतु)

सभी विद्यार्थियों को यह सूचित किया जाता है कि हमारे विद्यालय के पीछे की ओर नया वाहन अड्डा बनाया जा रहा है। आगामी 7 मार्च, 2026 से सभी विद्यार्थी अपने निजी वाहन इस स स्थान पर ही खड़े करें। विद्यालय परिसर में कोई भी यदि निजी वाहन खड़ा करता हुआ पाया गया तो उसे ₹2000 का जुर्माना भरना पड़ेगा। आप सभी विद्यार्थियों से अनुरोध है कि नए वाहन अड्डे का सदोपयोग करें तथा परिसर में वाहन खड़ा करें।

सधन्यवाद

रामशरण सिंह

(विद्यालय प्रबंधक)

20

Space for writing Question Number

(14) (i)

घर का खाना स्वास्थ्य का खजाना

घर का खाओ और तंदुरस्त रहो!

घर पर बने खाना का महत्व :-

- ★ मिलावटी खाद्य पदार्थों से बचें
- ★ स्वस्थ, शुद्ध व उच्च कोटि
- ★ नित्य-नवीन रोगों से बचाव
- ★ सेहत के लिए गुणकारी

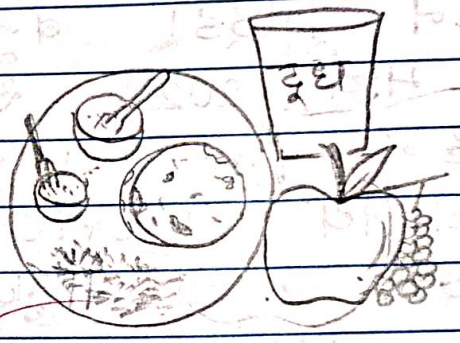

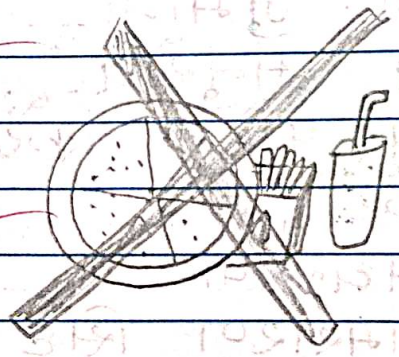

देसी खाओ, स्वस्थ रहो

अधिक जानकारी के लिए www.govtbharat.com

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जनहित में जारी

Space for writing Question Number

(15)(ii)

युवा पीढ़ी का खेलों की ओर बढ़ता रुझान

खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण भाग जिसकी उपयोगिता को नज़रादांज करना मूर्खता होगी। यह कहना बिल्कुल उचित होगा कि स्वस्थ ज़ीवन का राज़ खेल-कूद ही है। ये मनुष्य के ज़ीवन में स्फूर्ति तथा ताज़गी लेकर आते हैं। व्यक्तित्व निर्माण में भी यह अत्यधिक सहयोगी है। विशेषतः बच्चों में खेल द्वारा उत्तम गुणों जैसे कि नेतृत्व, सहनशीलता तथा आत्मसम्मान, इत्यादि का संचार किया जा सकता है। एक पारंपरिक सोच के अनुसार 'खेलोगे - कूदोगे बनोगे खराब', किंतु यह असत्य है। खेल-कूद भी जीवन में नए मार्ग खोलता है तथा इसमें भी व्यक्तिगत तौर पर वृद्धि की जा सकती है। आज-कल अभिभावकों तथा लोगों की सोच में बदलाव आया है तथा वे खेल के महत्व को समझने लगे हैं।

इस पारंपरिक सोच में विकार का मुख्य कारण लोगों में बढ़ती सजगता व साक्षरता तथा स्वास्थ्य के प्रति बढ़ता ध्यान है। अतः लोग इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की ओर प्रेरित हो रहे हैं। अंततः खेल जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है अथवा उपयोगी भी कहा जा सकता है और सभी को थोड़ा-बहुत खेल में शरीक होना चाहिए।

Space for writing Question Number

(16) (ii)

From : abc@gmail.com

To : xyzvigyan@gmail.com

Cc : mnq@bgmail.com

BCC : —

Subject (विषय) : रसायन व आवश्यक उपकरण मँगवाने हेतु

महोदय जी,

मैं क॰ख॰भ॰ विद्यालय के रसायन विज्ञान की प्रयोगशाला में मुख्य सहायक हूँ। हमारे विद्यालय की प्रयोगशाला में कुछ आवश्यक उपकरणों का अभाव है। अतः इस पत्र द्वारा मैं आपकी प्रतिष्ठित 'क॰ख॰ग॰ प्रयोगशाला विज्ञान' से कुछ उपकरण मँगवाना चाहती हूँ जिसकी सूचि निम्नलिखित है :—

क्र॰	उपकरण	संख्या
1.	बीकर (मध्यम आकार)	5
2.	काँच नली	4
3.	फिल्टर कागज़	5 पैकेट

आपसे अनुरोध है कि यह सुनिश्चित करें कि उपकरण कहीं से खराब न हो तथा उचित दाम लगाते हुए कुछ छूट भी दें। इस सामग्री को यथाशीघ्र 10 मार्च, 2026 तक हमारे विद्यालय के पते पर पहुँचा दें। एक बार सामान पहुँचने तथा जाँचने के बाद आपकी राशि ऑनलाइन दे दी जाएगी। आशा है कि आप इन उपकरणों को भिजवाने में सहयोग करेंगे।

भवदीय

अ॰ ब॰ स॰

(विज्ञान प्रयोगशाला सहायक)

Send